कर्मचारी एकता जिंदाबाद

क्रम संख्या

17

चुनाव चिन्ह दीपक

आर्गेनाइज़ेशन आफ बी॰एस॰एन॰एल॰ यूनियन एवं एशोशियेशन

आदरणीय भाइयो व बहनों।

10 मई 2016 को बी॰एस॰एन॰एल॰ में नान-एक्जीक्यूटिव यूनियनों के चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव में बी॰एस॰एन॰एल॰ई॰यू॰ व एन॰एफ॰टी॰ई॰ भी हैं जो कि 2001 से लेकर आज तक कभी अलग-अलग व कभी साथ-साथ मान्यता में रही हैं। हम आपको याद दिलाना चाहते हैं कि इनके मुद्दे जो 2001 में थे वे ही मुद्दे 2016 में भी विधमान हैं। क्या ये ही इनकी उपलब्धियाँ हैं ? जरा इनकी उपलब्धियाँ देखिये ।

1) बी॰एस॰एन॰एल॰ को 12000 करोड़ रुपये के लाभ से आज करीब 10000 करोड़ रुपये के घाटे में ले आये ।
2) एल॰टी॰सी॰ समाप्त कराया ।
3) मेडिकल भत्ता समाप्त कराया ।
4) बोनस समाप्त कराया ।
5) बी॰एस॰एन॰एल॰ कनड्क्ट रूल 55 काला कानून बनवाया ।
6) मृतक के आश्रितों के लिये नोकरी के लिये 55 बिन्दुओं वाला अनुपयोगी फार्मूला बनवाया ।
7) 01-01-2012 से मिलने वाले भत्ते नहीं मिले ।
8) यूनियनों की महत्ता व गरिमा समाप्त कराई ।
9) वर्दी के रेट जो 2000 से पहले थे वे ही आज भी हैं ।
10) समयोपरि भत्ता, मान देय (Honorarium) समाप्त कराया ।
11) ठेकेदारी प्रथा को बढ़ावा दिया ।
12) केजूअल मजदूर को आज तक नियमित नहीं करवा पाये ।
13) नियमित मजदूरों का **वेतन रोक** नहीं हटवा पाये ।
14) कोटा आइटम के रेट कम कराये ।
15) जी॰पी॰एफ॰ लेने मे भी कठिनाई ।
16) वाहन भत्ता सरकारी कर्मचारियों के बराबर नहीं दिलवा पाये ।
17) वाहन चालक के लिये विभागीय परीक्षा के रास्ते बंद कराये ।
18) एन॰ई॰पी॰पी॰ को अधिकारियों के समान नहीं करवाया ।